बरेली, गुरुवार
5 जून, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 20+4=24

दैनिक जागरण

PAGE NO.- 06 : MIDDLE

'सिर्फ पैसा हासिल करना ही सफलता नहीं, खुशी है महत्वपूर्ण'

जासं, बरेली: अलग- अलग व्यक्तियों के लिए सफलता के मायने अलग-अलग हैं। कोई धन-संपत्ति को सफलता मानता है तो कोई बड़े पद को। किसी के लिए संबंध महत्वपूर्ण हैं तो किसी के लिए संतुष्टि ही सफलता का पर्यायवाची। आप कुछ भी हों, किसी भी पद पर हों, आपके पास कितना भी रुपये और प्रभाव हो, लेकिन अगर खुशी नहीं है तो उसे सफल नहीं कहा जा सकता। यह बातें एसआरएमएस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में बुधवार को आयोजित "सफलता क्या है और क्यों इसे कुछ लोग ही हासिल कर पाते हैं" विषय पर व्याख्यान देते हुए इस्कान इंडिया यूथ काउंसिल के अध्यक्ष आध्यात्मिक गुरु सुंदर गोपाल प्रभु ने कहीं।

गुरु सुंदर गोपाल प्रभु ने कहा कि सफलता से पहले हमें समझना पड़ेगा कि यह है क्या? क्योंकि हर व्यक्ति के लिए सफलता अलग- अलग है। क्योंकि अगर सफलता एक ही तरह की होती तो सभी सफल हो जाते,

एसआरएमएस में व्याख्यान देते सुंदर गोपाल प्रभु • सौ. एसआरएमएस

लेकिन ऐसा है नहीं क्योंकि कुछ लोग ही सफल हैं। ज्यादातर लोग लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करते हैं, समाज इसे सफलता हासिल करना कहता है और यह सफलता का सामान्य नियम है भी। सिर्फ पैसा हासिल करना, करियर में सफल होना सफलता नहीं। खुशी सबसे महत्वपूर्ण है। इस दौरान इस्कान बरेली के जीएम भीमा अर्जुनदास, एसआरएमएस ट्रस्ट के सलाहकार सुभाष मेहरा, सोईटी के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. एमएस बुटोला, डा. अनुज कुमार, डा. ऋतु सिंह, सौरभ गुप्ता मौजूद रहे।